

हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

तारीख हुक्म

07/11
 पत्रावली भंग हुई। मकुलाय फरिदकोट
 उप/अनुपस्थित। पीकारती अधिकारी दारे
 /अस कार्य में बरत पत्रावली अतिम
 कार्यवाही हेतु दिनांक 07.12.17
 को पत्र भेजा है।

7/12
 पत्रावली भंग हुई। मकुलाय फरिदकोट
 उप/अनुपस्थित। पीकारती अधिकारी दारे
 /अस कार्य में बरत पत्रावली अतिम
 कार्यवाही हेतु दिनांक 22.2.18
 को पत्र भेजा है।

22/2
 पत्रावली भंग हुई। मकुलाय फरिदकोट
 उप/अनुपस्थित। पीकारती अधिकारी दारे
 /अस कार्य में बरत पत्रावली अतिम
 कार्यवाही हेतु दिनांक 11.4.18
 को पत्र भेजा है।

11/11/18
 पत्रावली भंग हुई। मकुलाय फरिदकोट
 उप/अनुपस्थित। पीकारती अधिकारी दारे
 /अस कार्य में बरत पत्रावली अतिम
 कार्यवाही हेतु दिनांक 4.6.18
 को पत्र भेजा है।

13/8/18
 हुक्मारी भेजी है। पत्रावली भंग पत्र हुई।
 अतिम कार्य हेतु दिनांक 29.10.18 को पत्र भेजा है।

29/10/18
 पत्रावली भंग हुई। मकुलाय फरिदकोट
 उप/अनुपस्थित। पीकारती अधिकारी दारे
 /अस कार्य में बरत पत्रावली अतिम
 कार्यवाही हेतु दिनांक 18-1-19
 को पत्र भेजा है।

18-1-19
 पत्रावली भंग हुई। मकुलाय फरिदकोट
 उप/अनुपस्थित। पीकारती अधिकारी दारे
 /अस कार्य में बरत पत्रावली अतिम
 कार्यवाही हेतु दिनांक 14-5-19
 को पत्र भेजा है।

हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तालीम
में जारी हुए

14/05/19

पत्रावली पेश हुई। बकुलाय फरिफन
/अनुपस्थित पीठवाली अधिकारी के
/अप. पत्रों में व्यस्त पत्रावली अग्रिम
कार्यवाही हेतु दिनांक 17/7/19
को पेश हो।

17/7/19

पत्रावली पेश हुई। बकुलाय
/अनुपस्थित पीठवाली अधिकारी के
/अप. पत्रों में व्यस्त पत्रावली अग्रिम
कार्यवाही हेतु दिनांक 27/8/19
को पेश हो।

27/8/19

पत्रावली पेश हुई। बकुलाय उप./
अनुपस्थित/पीठवाली अधिकारी
दौर पर/अप. पत्रों में व्यस्त।
पत्रावली पूर्ण हो जाने पर आर्डिन्दा
दिनांक 21/11/19 को पेश हो।

13/11/19

मिदत पेची का राजकीय अलमाम
होने से मिसल आज पेच दुरी वकील प्रावर्गिण
ने अप्रावर्गिण च। ता 5 की तम्बी हरे
गोहि तम्बाना पेच गष्ट मिदत है एक माल
-यादा। अक्सर डिमा प्राक पत्रावली वाले
तम्बी अप्रावर्गिण की तम्बी हरे गोहि तम्बाना पेच
होने हेतु मिसल दिनांक 10/12/19 को पेश हो।

16/12/19

पत्रावली पेश हुई। वकील
प्रावर्गिण को कार-कार आवापे
दिमाची गपी। काव-इत आवापे प्रावर्गिण।
प्रावर्गिण ही आट से कोड़ी हापिर वरि
ऊप। अतः प्रावर्गिण का प्रावपम
आवापे निषे पादा अफम पेशी हाप
हापरी के खारीज होजाती है। पत्रावली
पेशाम शुभाह होकर गमकू ले कम है।
बाद तम्बी, प्रावर्गिण पेश हो।

(राजकीय विद.)
RMS